

MAHĀYĀNASAMGRAHOPA-  
NIBANDHANA (III)  
Its Tibetan and Chinese Texts

by  
Noriaki Hakamaya

---

Abbreviations :

D : Derge edition

N : Narthang edition

P : Peking edition

MS : *Mahāyanasamgraha*, ed. by É. Lamotte.

— in the Tibetan indicates the passage quoted from the basic text, MS

「 」 in the Chinese indicates the passage quoted from the basic text, 攝大乘論本。

( ) in the Tibetan indicates the passage not found in the Chinese.

— in the Chinese indicates the passage not found in the Tibetan.

Arabic numerals placed before paragraph indicate the section numbers of the basic text given by É. Lamotte.

( I ऐस-पुरे-गवाई )

ଦେଖିଲୁଗାରୁ କାହାରୁ ପାରିବାରି ନାହିଁ ।

2,3 විද්‍යා. තුළය. තුළය. පිළුවුනු යොමු. පුරු. එකීං. කුමා. පිටු. එස්. එ. සුඩා. එකීං।

## 所知依分第二之一 (383 a)

1 此引阿笈摩，證阿賴耶識名所知依。「無始時」者，初際無故。「界」者因也，卽種子也。是誰因種，謂，一切法此唯雜染，非是清淨故。後當言，<sup>1).....</sup>多聞熏習所依非阿賴耶識所攝，如阿賴耶識成種子，如理作意所攝，以法以義所起<sup>.....1)</sup>，等。彼「一切法等所依」者，能任持故，非因性故。能任持義，是所依義，非因性義，所依能依性各異故。若不爾者，界聲已了，無假依言。

「由此有諸趣及涅槃證得」者，如決擇處當廣分別，謂，生雜染等那落迦等，若離阿賴耶識，皆不得有，等，生等雜染畢竟止息，名爲涅槃，若離阿賴耶識，不應證得。

2, 3 復，引聖言所說，證阿賴耶識名阿賴耶。

---

1).....1) This is the quotation from the MS III § 1 p. 49; Hsüan-tsang (玄奘) 's tr., Taisho ed., XXXI, p. 142b.

---

1 *dbyiñs// D : dbyiñs NP.*    2 *yin pañho P : yod pañho D : yin pañhi N.*  
 3 *du na D : du NP.*    4 *dañ// D : dañ/ NP.*    5 *hgyur// D : hgyur NP.*  
 6 *ño//NP : ño D.*

(16)

କୁଳାୟୁଁ । ଆହୁରୁଁ ପାରେ କମାଣିଲୁଙ୍କ ॥ କୁମାରୀ । ପ୍ରାଚୀ । ପ୍ରାଚୀ ॥ (D 195b) ୨୫

କୁଳାୟୁଁ । ବେଶ ପ୍ରାଚୀ ପାରେ ॥

ଶୁଭା ଜନ୍ମ ବେଶ ପ୍ରାଚୀ ଏତୁମା କମାଣିଲୁଙ୍କ ॥ ପ୍ରାଚୀ ବେଶ କୁଳାୟୁଁ  
ପାରେ । କୁଳାୟୁଁ ପାରେ କମାଣିଲୁଙ୍କ ॥ କୁମାରୀ ପାରେ କମାଣିଲୁଙ୍କ ॥  
କୁଳାୟୁଁ ॥

କୁମାରୀ ପାରେ କମାଣିଲୁଙ୍କ ॥ କମାଣିଲୁଙ୍କ ଗୁଣ କୁଳାୟୁଁ  
ଯ । (P 239b) କଳା କୁଳାୟୁଁ ମେଦିସ ଯ ଯାମାନ ଲୁଗ୍ର ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ  
ଯ ମେଦିସ ଯ ଯାମାନ ଲୁଗ୍ର ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ । କଳା  
କଳା ଯ ଯ ଯ ଯ ଯ ॥ ଯ ମେଦିସ ଯ ଯ ଯ ଯ ଯ ଯ । କଳା କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ ମଧ୍ୟ  
କଳା କଳା କଳା ॥ ଏହା କଳା ମେଦିସ ଯ ଯ ଯ ଯ ଯ । ଏହା କଳା କଳା  
କଳା କଳା ॥

(କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ ମଧ୍ୟ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ  
କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ । କଳା କଳା କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ  
କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ । କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ  
କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ ।) କଳା ବେଶ ପ୍ରାଚୀ କଳା କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ  
କଳା କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ । କଳା କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ । କଳା କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ  
କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ । କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ । କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ ।  
କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ ।

ପାରେ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ ।

ପାରେ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ କଳା ସମ୍ବନ୍ଧ । ॥<sup>11</sup>

(383 b)

1)③.....

「一切有生」者，謂諸有爲。「雜染品法」者，簡清淨法。  
 非，清淨法是雜染性一切雜染庫藏所治種子體性之所攝藏。能治彼故。非，  
 相互違爲因果性是正道理。然得爲所依，若處有所治，亦有能治故。

④.....  
 「於此攝藏」者，顯能持習氣。由非唯習氣名阿賴耶識，要能持習氣，如彼  
 說意識。能「攝藏諸法」者，謂，是所熏是習氣義。  
 ⑤.....  
 「或諸有情攝藏此識爲自我」者，是執取義。

---

1) The order of the following paragraphs is changed according to the Tibetan. Its original order in the Chinese is from ①.....① to ⑤.....⑤.

1 *ste// D : ste/ NP.*    2 *gyis NP : gyi D.*    3 *de na DN : de ni P.*  
 4 *yin D : ma yin NP.*    5 *thigs D : thegs NP.*    6 *hbyun D : byun NP.*  
 7 *bya ba ste NP : bya ste D.*    8 *ni NP : ni/ D.*    9 *bsgo NP : bsgo// D.*  
 10 *go /NP : go// D.*    11 *go/ NP : go// D.*

ମୁହଁ କେବୁ ଯେ ଯେ ଶମ୍ଭାସ ଯେ ଶମ୍ଭାସ ଯେ ମନ୍ତ୍ର ମନ୍ତ୍ର ଯେ ଯେ ଶମ୍ଭାସ  
ମନ୍ତ୍ର ମନ୍ତ୍ର ଦୁ ଶୁଣୁ ମନ୍ତ୍ର କେବୁ ଶମ୍ଭାସ ଲୁଗୁ ଶବ୍ଦ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ  
219a) ଯେ ନେ ପୁଣି ଅଧିକ କେ କେବୁ କୁମା କୁମା କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ  
କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ  
ପରି ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ  
କୁମା କୁମା ଦୁ ଶୁଣୁ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ  
ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ କୁମା ଯାଇ

କୁମାରାଦ୍ଵାରା ମାତ୍ରମେ କୁରୁକ୍ଷମା ଶୈଖର ଦୟରେ କୁରୁ  
 ସମ୍ବନ୍ଧରେ । ସମ୍ବନ୍ଧରେ । ସମ୍ବନ୍ଧରେ । ସମ୍ବନ୍ଧରେ । ସମ୍ବନ୍ଧରେ ।

4      ଦେବୀ ପ୍ରେତ ଯାଇଁ କୁମାରିଙ୍କ ନେତା ଯା ବୈଷ୍ଣବ ଗୁରୁ ପୁଣ୍ୟେ<sup>4</sup> ବୈଷ୍ଣବ ମହା ମୂର୍ତ୍ତି ମନ୍ଦିର  
 ଶବ୍ଦବ୍ରତ ଶୁଧି ପୁରୁଷାକାରୀ କୁମାରିଙ୍କ ନେତା ଯାଇଁ<sup>5</sup> କୁମାରି ପ୍ରାଚୀନ ଜ୍ଞାନ ମହା ମନ୍ଦିର ଯତ୍ନ ପ୍ରମାଣ  
 (D 1962) ମାତ୍ରକୁ ହୁଏ ॥

<sup>(2).....</sup> 非，如大等顯了法性藏最勝中，阿賴耶識攝藏諸法亦復如是。爲簡彼義，是故復言「一切種子識」。與一切種子俱滅故。阿賴耶識與諸轉識互爲緣故，展轉攝藏，是故說名阿賴耶識。非如最勝即顯了性，顯自簡劣故。

復說言「勝者我開示」，即大菩薩有堪能故，名爲勝者，爲彼開示。非餘劣者。<sup>.....(2)</sup>

4 復，引餘教所說異名，開示建立阿賴耶識，令極顯了。

言「甚深」者，世聰叡者所有覺慧難窮底故。言「甚細」者，諸聲聞等難了知故。是故不爲諸聲聞等開示此識，彼不求微細一切智智故。「一切種子如瀑流」者，剎那展轉相續不斷，如水瀑流。「我於凡愚不開演」者，懷我見者不爲開示，恐彼分別計執爲我，何容彼類分別計執，窮生死際行相一類無改易故。

5

---

1 *no* D : *no// NP.*    2 *brten* NP : *sten* D.    3 *khyad par can* DN : *khyad can* P.    4 *ste* D : *ste/ NP.*    5 *su* D : om. NP.    6 *phra//* D : *phra NP.*

(18)

5

ନୂରି. ଯେ. ଶକ୍ତି. ଠକୁ. ଅମର. ଠଦୁ. ଶୁ. କୁ. ପିଲୁ. ଯ. କେସ. ପୁ. ଏ. ଯା. ଶଣୀସ.  
ଯ. କେ. ଶୁ. ରତ୍ନଶ. ଯେହ. କୁଟୁ. କୁଟୁ. ॥ ରଦ୍ଧି. କେ. ଶିଳ୍ପ. ଯାଜ. ହେସ. ପୁ. ରତ୍ନଶ. ଶେ. ପର.  
ଦ. ଶୁମ. ଯ. ଦୂର. ମଦ୍ଦ. ଗାଠିଶ. ଚାସ. ନୂରି. ଚାସ. ଶକ୍ତି. ଶକ୍ତି. ଅମର. ଠଦୁ. ଯେହ. ଚାସ.  
ଫକୁ. ଯେହ. କୁମ. ଚାସ. କେ. ଯ. କେସ. ପୁର୍ବ. ॥ ଶକୁର. କୁ. କେ. ନି. ଯେହ. କୁ. ପରିବୁ. କୁ.  
(N 2196) ରଦ୍ଧି. ଯାଜ. ରତ୍ନଶ. ॥ ପୁର୍ବ. ଲୁହ. । ପୁର୍ବ. ଅମର. ଠଦୁ. କୁ. ମଦ୍ଦ. ପର.  
ଯେହ. ଶକୁର. ପୁ. ରତ୍ନଶ. ମଦ୍ଦ. କୁଟୁ. କୁ. କେସ. ପୁ. ମଦ୍ଦ. ଚା. ଶକୁର. ଠଦୁ. କୁମରୁ.  
ମ. ପୁର୍ବ. ମ. ଦୂର. । ଶକୁର. ମଦ୍ଦ. ଚାହ. ମଦ୍ଦ. ପୁର୍ବ. ମଦ୍ଦ. ଚାହ. ରତ୍ନଶ. ଚା. ପୁର୍ବ. । କୁ. ମଦ୍ଦିମାନ.  
କୁ. ॥ ଦ. ଶୁ. ଯ. କୁ. ପରିବୁ. ପୁର୍ବ. ପୁ. ରତ୍ନଶ. ॥ ଦ. ମଦ୍ଦ. ଚାହ. ରତ୍ନଶ. ଚା. କୁ. ॥  
ରଦ୍ଧି. ଯେହ. ଶୁଦ୍ଧ. କୁଟୁ. କୁ. ଅମର. ଶେ. କୁଟୁ. କୁ. ପାତ୍ର. ॥ (P 2406) ଶେ. କୁମ.  
ଚାହ. କେସ. ଚାସ. ପୁର୍ବ. ମଦ୍ଦ. ଦୂର. ରତ୍ନଶ. ମଦ୍ଦ. ପିଲୁ. । ପୁର୍ବ. ମଦ୍ଦ. ଦୂର. ଶେ. ପରିବୁ.  
ମଦ୍ଦିମାନ. ଯେହ. ଶୁଦ୍ଧ. ପରିବୁ. ପୁ. ପକୁର. ମଦ୍ଦ. ପିଲୁ. ॥

6

ଦ. କେ. ଅମର. କେସ. ପୁର୍ବ. କୁ. । କେସ. ପୁ. ମଦ୍ଦ. କୁମ. ଯାଜ.  
ମଦ୍ଦିମାନ. ପୁର୍ବ. କୁ. ପୁର୍ବ. ଶକୁର. ଶୁଦ୍ଧ. ପରିବୁ. କୁ. ॥  
ଶୁଦ୍ଧ. ଯ. କୁଟୁ. ମଦ୍ଦିମାନ. ଯ. ଠଦୁ. ଶୁ. ପିଲୁ. କେସ. କେଣୀସ. ଯ.  
ପୁ. ମ. ଚା. ଶଣୀସ. ଯ. କୁଟୁ. ମଦ୍ଦିମାନ. ଯ. ମଦ୍ଦ. କୁ. ଦୂର. ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. ମଦ୍ଦ. ଚାହ. ଶୁଦ୍ଧ.  
କୁ. ॥ ଦ. ଯ. ରଦ୍ଧି. କେଣୀସ. ଯ. ମଦ୍ଦ. କୁ. ମଦ୍ଦିମାନ. ଦୂର. ମଦ୍ଦିମାନ. ମଦ୍ଦ. ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. କେବୁ.  
କୁ. ॥ ଦୂର. ନୂରି. ଶେଷ. ଦୂର. ଶୁଦ୍ଧ. ପାତ୍ର. କୁମ. । ଦୂର. ମଦ୍ଦିମାନ. ଶୁଦ୍ଧ. ପାତ୍ର. କୁମ.  
କୁ. ॥ ଦ. ଶେଷ. ପାତ୍ର. ମଦ୍ଦିମାନ. ଯ. କୁଟୁ. । ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. ଯେହ. ଶୁଦ୍ଧ. ପାତ୍ର. ॥ ଦ.  
ଶୁଦ୍ଧ. କୁ. କୁ. ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. । ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. ଯେହ. ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. ଶୁଦ୍ଧ. ପାତ୍ର. ॥  
ଦ. କେ. କୁମ. ଚାହ. କେସ. ॥ (D 1956) ଯ. କୁଟୁ. କୁମ. କୁଟୁ. ମଦ୍ଦିମାନ. ପରିବୁ. ଶକୁର. ପିଲୁ. ।  
ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. ମଦ୍ଦିମାନ. କୁମ. । ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. ମଦ୍ଦିମାନ. କୁମ. । ଦୂର. ମ. ଚା. ଶଣୀସ. ଯେହ.  
ମଦ୍ଦିମାନ. ଚାହ. ମଦ୍ଦିମାନ. କୁମ. ।

5 「執受一切(383c)有色根故」等者，顯聲轉因。以能執受一切眼等有色諸根，安危共同「盡壽隨轉」，是故說名「阿陀那識」。若不爾者，應如死身即便失壞。「一切自體取所依故」等者，謂，是一切，若一若多所有自體取所依性。若色等根未已生起，若無色界，自體生起，名爲「相續」。攝受彼故，名「正結生」。受彼生故，精血合故，非無阿賴耶識，而有執受一期自體。譬如室宅院攝光明。是一期自體習氣所熏故。

6 「此亦名心」者，復引餘教安立異名，令此堅固。

「第二染污意」者，由四煩惱薩迦耶見等，所染污故。此中「薩迦耶見」者，謂，堅執著我我所性。由此勢力，而起「我慢」。恃我我所，而自高舉。此二有故，便起我貪，說名「我愛」。此三皆用無明爲因。言「無明」者，即是無智，明所治故。「此即是識雜染所依」。於定不定善等

---

1 *pa* D : *pas* NP.    2 *ba* D : *bahi* NP.    3 *bṣag* NP : *gṣag* D.    4 *gir*  
NP : *gis* D.    5 *bṣag* NP : *gṣag* D.

एवं संज्ञाम् शुभं पदं । इषम् मेद् यत् तु च चूर्णं परि शुद्धं ॥

एवं तु त्रिवै नृपो परि संमासं या द्वयं शुभं शुद्धं च चूर्णं ।

एवं शृणु अस्ति ते लेपं तु मात्रं इषम् मात्रं च एवं पिदं शुसं

सं ॥ शृणु अस्ति ते लेपं तु मात्रं च एवं शुसं या द्वयं शुद्धं शुद्धं

या यत् दृष्टं अकृत्या यत् लेपं च चूर्णं । इषम् यत् या शुसं या द्वयं चूर्णं

मेदसं या द्वयं देपं तु मात्रं च चूर्णं ॥ यूधं या द्वयं या द्वयं च एवं शुद्धं शुसं

सं (N 2202) पात्रे यूधं यत् या द्वयं शुद्धं परि शुद्धं शुभं या द्वयं च एवं शुद्धं शुसं ॥

देवं या द्वयं च एवं शुद्धं या द्वयं च एवं शुद्धं शुभं या द्वयं च एवं शुद्धं शुसं 5

वेसं तु मात्रं देपं या द्वयं च एवं शुद्धं शुभं या द्वयं च एवं शुद्धं शुसं

या द्वयं च एवं शुद्धं शुभं या द्वयं च एवं शुद्धं शुभं या द्वयं च एवं शुद्धं शुसं

या द्वयं च ॥

7 इषम् या द्वयं या द्वयं शुद्धं या द्वयं या द्वयं या द्वयं च एवं शुद्धं शुभं या द्वयं

चूर्णं शुद्धं शुभं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं च एवं शुद्धं शुभं या द्वयं 8

या द्वयं च एवं शुद्धं शुभं या द्वयं

या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं 10

या द्वयं या द्वयं

या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं

या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं

या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं

या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं

या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं या द्वयं

位中，皆不相違，恒現行故。其如何等，謂善心時亦執我故。

「由第一依生」者，由等無間滅意故。「由第二雜染」者，由四煩惱相應意故，以計我等能作雜染。「了別境義故」者，是能取境似境現義，此釋識名。

「等無間義故，思量義故，意成二種」者，此釋意名。若離訓釋，聲義道理終不能令他得解(384 a)了。

#### 7 爲引正理成染污意故，復畧舉直說伽他。

「謂此若無不共無明不得有」等。若不說有染污意者，則不得有不共無明。「不共無明」當說其相，謂能障礙真智生愚。此於五識無容說有。是處無有能對治故。若(384 b)處有能治，此處有所治。非五識中有彼能治。於此見道不生起故。非於不染意識中有。

---

1 *su yañ NP : suhañ D.*    2 *ste D : ste/ NP.*    3 *ni NP : ni/ D.*  
 4 *phyir NP : phyir// D.*    5 *so D : so// NP.*    6 *ni NP : ni/ D.*    7 *gi  
D : gis NP.*    8 *go/ NP : go// D.*    9 *de DN : om. P.*    10 *ma ḥdres  
pa yañ med par ḥgyur ro// D : ma ḥdres par ḥgyur NP.*

(20)

ਮੈਂ ਚੁਣ੍ਹ ਦੇਂਦੁ ਜਾ ਕੇ ਸੁਸਾਡੀ ਕੇ ਜੁਸਾ ਯਾ ਅਫੀਨ੍ਹੁ ॥ ੧੪੩ ॥

ଶୁଣି କୁମାର । କୁମାର ପାଇଁ ଏହାକିମ୍ବାନୀ ଦେଖିଲୁ ।

由彼，此應成染性故。亦非染污意識中有。與餘煩惱共相應時，不共無明名不成故。若立意識由彼煩惱成染污者，即應畢竟成染污性。諸施等心應不成善。彼煩惱相恒相應故。若復有說，善心俱轉有彼煩惱，是即一向與彼相應，餘不得有。此染意識引生對治，不應道理。若有說言，染污意俱有別善心，能引對治能治生故，所治即滅，應正道理。若爾，所立不共無明，亦不成就。與身見等所餘煩惱，恒相應故。汝難不平。非，我說，彼與餘煩惱不相應故，名爲不共。然說彼惑餘處所無故，名爲不共。譬如十八不共佛法。前說，與餘煩惱相應名不成者，觀他所立，顯彼過故。

「又五同法亦不得有成過失」者，此破唯立從六二緣六識轉義。

---

1 *gyi/ NP : gyi D.*    2 *mi mthum pahi phyogs D. om. NP.*    3 *hdi las D : hdi de las NP.*    4 *na D : de NP.*    5 *no// DN : no/ P.*    6 *bṣag NP : gṣag D.*    7 *ste NP : de D.*

(21)

සුමස්යා. තුන්. පරි. සු. මා. ද්‍රා. තෙස්. මා. ඩී. තු. රූස්. මේද. ය. දැස්  
තුන්. පරි. සුමස්යා. තුන්. පරි || පරි. මා. කුඩා. මේදය. මා. තු. සු. ඩී. පද්‍රා. ය.  
ද්‍රා. මා. ඩී. තු. රූස්. මේද. පරි. සුමස්යා. තුන්. ය. මා. ද්‍රා. පද්‍රා. ය. දැස් තුන්. පරි.  
සුමස්යා. තුන්. ය. මා. ඩී. මේද. පරි. සු. මා. ද්‍රා. තුන්. ය. දැස් || ගැවචු. ඩී. ඩී.  
ඩී. මා. ය. තු. රූස්. ද්‍රා. ක්‍රෑස්. මා. තුන්. ය. ද්‍රා | කුඩා. මේදය. මා. තු. සු. ඩී. සු.  
ක්‍රෑස්. ය. තු. රූස්. ය. ඩී. තුන්. පරි. සු. මා. මේද. ය. තුන්. || දැස්. ය. තුන්.  
මේදය. පරි. මා. ද්‍රා | සුදා. පරි. ක්‍රෑ. මේද. ය. ඩී. තුන්. ය. ද්‍රා | දැස්. ය. තුන්.  
පරි. ඩී. මා. තුන්. ය. තුන්. ය. ඩී. සු. මා. ද්‍රා. ය. ඩී. මා. තුන්. ය. ඩී. තුන්.

眼等五識，與彼意識，有同法性。謂，從二緣而得生起。彼染污意，若無有者，與此相違。所謂俱生增上緣依無別有故。又眼等識各具二緣，皆是識性。如是識性，並有眼等俱轉別依。唯增上緣非因緣等。此爲能喻，意識亦爾。應有如是差別所依。阿賴耶識雖是意識俱生所依，然不應立爲此別依。是共依故，因緣性故。經部所立，色爲意識俱生別依，此不成就，不應道理。以就思擇隨念分別應一切時無分別故。由此道理，餘部所立，胸中色物意識別依，亦不成就。如所說過，恒隨逐故。譬如，依止色根諸識。如是難通應廣決擇。

<sup>1)②.....</sup>「又無想定與滅盡定差別無有，成過失」者，若有定立有染污意，此有，此無，在凡相續，在聖相續，如其次第，二定差別道理成就。若不爾者，俱想受滅等有識行，應無差別。不可說，在第四靜慮在第一有地差別故，出離·靜住欲差別故，二定差別。

---

1) The original order of the following paragraphs is from ①.....① to ②.....②.

---

1 *skye bahi* NP : *skyes pahi* D.    2 *ses so* D : *seho* NP.    3 *pahi* DNP,  
*pa?*    4 *rtoq* NP : *rtoqs* D.    5 *dañ* NP : *dañ//* D.    6 *tu* NP : *du* D.  
 7 *tha dad* DNP, *tha mi dad?*

བେସ·କେଣ·ମେଦ·ସାରି·ଶୁଣ୍ଡୁ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ<sup>1</sup> କେଣ·ଶୁ·ମ·ମ·ଟେସ·ସାରି·କେଣ·କୃ·ଟେସ·  
 କେଣ<sup>2</sup>·କୃ<sup>3</sup>·ଶୁ<sup>4</sup>·ମେଦ·ସାରି·ଶୁଣ୍ଡୁ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ କେଣ·ଶୁ·ମାରି·ଟେସ·ସାରି·କେଣ·ଶୁଣ୍ଡୁ·ଗୁ·  
 ରତ୍ନୀ<sup>5</sup> (P 242b) ମେଦ·କୁଣ୍ଡୁ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ<sup>6</sup> ମେଦ·କୁଣ୍ଡୁ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ (N 221b)  
 କୁମ·ସାର·କେଣ·ଶୁଣ୍ଡୁ·କୃ<sup>7</sup> ମେଦ·ସାରି·ଶୁଣ୍ଡୁ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ<sup>8</sup> କେଣ·ଶୁ·ମ·କୃ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ  
 ମ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ<sup>9</sup> ରତ୍ନୀ<sup>10</sup> କେଣ·ଶୁଣ୍ଡୁ·ଗୁ·ରତ୍ନୀ ॥

由二自相無差別故。心及心法俱滅，何異。今此決擇，對經部師，少相近故。  
彼部所立，不相應行非實物有，何得二定實有差別。

<sup>①</sup>「又訓釋詞亦不得有成過失」者，如前所說，訓釋意名，依(384 c)思量性。  
<sup>②</sup>若不立有染污意者，此何所依。六識已謝，不應成意，體滅無故。

「又無想天一期生中無我執轉應成過失。」言「無想」者，謂，若生在無想天中，心心法滅。初續生時，有彼暫起，從此已後，相續隨轉。若不許彼有染污意，一期生中，應無我執。曾不見有，具煩惱者，一期生中，都無我執。又諸聖賢同訶厭故。非，生剎那現起意識我執所依爲勢引故名有，我執未永斷故，如有漏等，應正道理。我執所依俱謝滅故，勢引亦無餘所依故，不應道理。我執習氣，

1 *hgyur* NP : *hgyur//* D.      2 *nes tshig* NP : *nes pahi tshig* D.      3 *yid*  
D : *yod* NP.      4 *ci* NP : *ji* D.      5 *drug* NP : *drug po dag* D.      6 *yid*  
D : *yod* NP.      7 *skyon* DN : *sbyor* P.      8 *hgyur//D* : *hgyur* NP.  
9 *smad* NP : *smras* D.

(23)

સુસ. શ્રી. કૃત્ય. એ. મી. ટોળાંડ. કે. | પાણીસ. ગુ. ખદા. ચ. એ. દ્વ. મેદ. ચાર્ચ. હુંડ. કુ. ||  
( દ્વ. લુ. પસ. કુ. જીલુ. છેણ. ઘન. કદ. રુ. સ. સર્વ. સુ. હુંડ. સુ. મેર. કૃત્ય. રુ. મે. 1  
મેદ. ચસ. એ. જીલુ. મ. 93. વ. એ. દ્વ. ટોળાંડ. કે. || ) પાણીસ. એ. દ્વ. લુંડ. છેણ. ઘન. મે.  
સેમસ. રુ. રુંડ. ચાર્ચ. શાસ. ફંડ. ચ. એ. કુ. કૃત્ય. એ. મેદ. કુ. ||

રુ. રુંડ. ચ. દ્વ. લુંડ. ચ. એ. 2 || કુમ. એ. ગુ. કુ. 3 મે. રફદ. કુ. || કુસ.

એ. મ. 4 કુમ. એ. સેમસ. કદ. કુ. મે. કુ. સુ. મેર. શ. કુંણ. એ. | દ્વ. મા. (P  
243a) એકુસ. જીલાસ. એ. કુ. કુમ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. એ. 5  
એ. કુ. એ. કુ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. 6  
એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. એ. એ. | એ. એ. (N 222a) સેમસ. એં  
એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. |  
એ. એ. | 7

કુ. એંદ્રા. એ. કદ. એ. 8 એ. એ. એ. એ. એ. એ. 9 એ. એ. એ. 10 એ. એ. 11 એ. એ. 12 એ. એ.  
મ. એંદ્રા. એ. એ. | એ. એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. 13 એ. એ. 14 એ. એ. |  
એ. એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. એ. એ. એ. | એ. એ. એ. એ. | એ. એ. 15 એ. એ. | એ. એ. 16  
મે. એ. એ. | એ. એ. 17 એ. | એ. એ. 18 એ. | એ. એ. 19 એ. | એ. એ. 20 એ. | એ. એ. 21 એ.  
એ. એ. 22 એ. | એ. એ. 23 એ. | એ. એ. 24 એ. | એ. એ. 25 એ. | એ. એ. 26 એ. | એ. એ. 27 એ. |  
એ. એ. 28 એ. | એ. એ. 29 એ. | એ. એ. 30 એ. | એ. એ. 31 એ. | એ. એ. 32 એ. | એ. એ. 33 એ.  
એ. એ. 34 એ. | એ. એ. 35 એ. | એ. એ. 36 એ. | એ. એ. 37 એ. | એ. એ. 38 એ. | એ. એ. 39 એ.  
એ. એ. 40 એ. | એ. એ. 41 એ. | એ. એ. 42 એ. | એ. એ. 43 એ. | એ. એ. 44 એ. | એ. એ. 45 એ.  
એ. એ. 46 એ. | એ. એ. 47 એ. | એ. એ. 48 એ. | એ. એ. 49 એ. | એ. એ. 50 એ. | એ. એ. 51 એ.  
એ. એ. 52 એ. | એ. એ. 53 એ. | એ. એ. 54 એ. | એ. એ. 55 એ. | એ. એ. 56 એ. | એ. એ. 57 એ.  
એ. એ. 58 એ. | એ. એ. 59 એ. | એ. એ. 60 એ. | એ. એ. 61 એ. | એ. એ. 62 એ. | એ. એ. 63 એ.  
એ. એ. 64 એ. | એ. એ. 65 એ. | એ. એ. 66 એ. | એ. એ. 67 એ. | એ. એ. 68 એ. | એ. એ. 69 એ.  
એ. એ. 70 એ. | એ. એ. 71 એ. | એ. એ. 72 એ. | એ. એ. 73 એ. | એ. એ. 74 એ. | એ. એ. 75 એ.  
એ. એ. 76 એ. | એ. એ. 77 એ. | એ. એ. 78 એ. | એ. એ. 79 એ. | એ. એ. 80 એ. | એ. એ. 81 એ.  
એ. એ. 82 એ. | એ. એ. 83 એ. | એ. એ. 84 એ. | એ. એ. 85 એ. | એ. એ. 86 એ. | એ. એ. 87 એ.  
એ. એ. 88 એ. | એ. એ. 89 એ. | એ. એ. 90 એ. | એ. એ. 91 એ. | એ. એ. 92 એ. | એ. એ. 93 એ.  
એ. એ. 94 એ. | એ. એ. 95 એ. | એ. એ. 96 એ. | એ. એ. 97 એ. | એ. એ. 98 એ. | એ. એ. 99 એ.  
એ. એ. 100 એ. | એ. એ. 101 એ. | 11

在身相續，亦不應理。色法受熏，不應理故。無堪能故。又經部師不說唯色名爲心法，等無間緣此所無故，心及心法四緣定故。若說別有常俱起心我執所依，此無過失。

「又一切時我執，隨逐不應道理」，謂，若不說有染污意，於一切時義不符順。施等善位，亦有我執，常所隨逐，自謂我能修行施等。非離無明我執隨逐。非離依止而有無明，是心法故。此所依止，離染污意，定無所有。非，卽善心是無明依應正道理。如說，

如是染污意      是識之所依  
(385 a)此未滅識縛      終不得解說

「無有二」者，謂，不共無明及與五同法。「三成相違」者，謂，訓釋詞，二定差別，無想天生我執隨逐，如是三種，皆成相違。前已略舉，不共無明，今爲廣釋，故說「真義心當生」等。謂，能障礙真實義見。彼若現有，此不生故。「俱行一切分」者，是善不善無記位中，常隨轉義。

---

1 *mi* NP : om. D.    2 *ni// D : ni/ N : na/ P.*    3 *tu* NP : *du* D.  
 4 *do// DN : do P.*    5 *na gñis med D : om. NP.*    6 *bgegs NP : gegs D.*  
 7 *dañ// D : dañ NP.*    8 *gags DN : hgags P.*    9 *de/ D : de NP.*  
 10 *ces NP : ses D.*    11 *go/ NP : go// D.*

(24)

8        गुरु गीते कुमारज्ञानेरस वा म. शैक्षणिक इति सेमास त्रृप्ति लिप्तम्  
त्रयीमि द्विशस त्रृप्तिरेस सुपूर्वी द्वै श्लोके लिदं लेस शुभरे शृणुष्टुप् द्वै रथम्  
म. प्रथा चरि कुमारज्ञानेरस वा लिगु. एव श्लोके लिदं लेस वारे शृणुष्टुप् द्वै कुमारज्ञानेरस  
लेस वा द्वृश च दृश येति लिदं लेस शुभरे शृणुष्टुप् द्वै शृणुष्टुप् यथा वन्धु वै  
द्वै लिदं लिदं द्विशस इति ॥ लक्ष्मद वा लक्ष्मद लिदं लेस वारे शृणुष्टुप् द्वै अष्टुप् वै ॥ लक्ष्मद  
कुमारज्ञानेरस त्रृप्ति शैक्षणिक विजय लिगु. लक्ष्मद कुमारज्ञानेरस वारे शृणुष्टुप्  
लक्ष्मद अष्टुप् लक्ष्मद विजय लिदं लेस वारे शृणुष्टुप् इति ॥ लक्ष्मद शृणुष्टुप् (P 243b) लिदं  
लिदं लिदं लक्ष्मद विजय लिदं लेस वारे शृणुष्टुप् इति ॥ लक्ष्मद शृणुष्टुप् लिदं लेस वारे शृणुष्टुप्  
लिदं लिदं लक्ष्मद विजय लिदं लेस वारे शृणुष्टुप् ॥

9        द्वै लिदं वै । लक्ष्मद वारे कुमारज्ञानेरस वारे यशोर्जाति शृणुष्टुप्  
त्वा लक्ष्मद लिदं लेस वारे कुमारज्ञानेरस वारे यशोर्जाति शृणुष्टुप् इति ॥ लक्ष्मद कुमार  
ज्ञानेरस लक्ष्मद लिदं लेस वारे यशोर्जाति शृणुष्टुप् इति । लक्ष्मद लिदं लेस वारे यशोर्जाति  
लिदं लिदं लक्ष्मद विजय लिदं लेस वारे यशोर्जाति शृणुष्टुप् इति ॥ लिदं लेस वारे यशोर्जाति  
लिदं लिदं लक्ष्मद विजय लिदं लेस वारे यशोर्जाति शृणुष्टुप् ॥

10      लेस सु युष्म म. पश्चिम यदि शृणुष्टुप् द्वै लेस शुभरे लेस सु युष्म म. कुमार  
मदं पश्चिम यथा यशोर्जाति लिदं लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा म. मन्ददीर्घे । द्वै दृश वै  
लेस शुभरे कुमारज्ञानेरस वा म. मन्ददीर्घे शृणुष्टुप् द्वै लिदं लेस वारे कुमारज्ञानेरस  
वा म. शैक्षणिक विजय लिदं लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा म. मन्ददीर्घे ॥ लक्ष्मद कुमारज्ञानेरस वा  
लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा म. शैक्षणिक विजय लिदं लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा द्वै दृश  
वामदीर्घे । शैक्षणिक विजय मन्ददीर्घे द्वै लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा द्वै दृश  
वामदीर्घे । लक्ष्मद कुमारज्ञानेरस वा म. मन्ददीर्घे लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा द्वै  
दृश वामदीर्घे ॥

द्वै दृश वै । द्वै लिदं लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा द्वै लिदं लेस वारे कुमारज्ञानेरस वा द्वै

8 「心體第三，若離阿賴耶識，無別可得」者，謂，如，意聲說染汚意無間滅意，識聲則說六種轉識，如是，心聲，離彼二種，無體可得。非無有體而有能詮。亦非異門。意識二聲，所詮異故。此中體聲意取所詮。「是故成就阿賴耶識」等者，顯阿賴耶識是心聲所詮，道理決定。

9 「由種種法」者，謂，由種種品類轉識，所攝諸法。「熏習種子」者，謂，所熏成功能差別。「所積集」者，謂，雜種類積集其中。「故」者，卽是門義依義，此則顯示心聲轉因。

10 「由此深細境所攝故」者，此顯阿賴耶識，亦是深細亦所知境。由深細故，於諸聲聞，不爲宣說。彼(385 b)是麁淺所知境攝所應化故，深細境智，於彼無恩。「由諸聲聞不於一切境智處轉」者，此則顯彼無有功能・慚願・處相。

「是故於彼雖離此說」等者，

---

1 *la/ NP : la D.*    2 *brten NP : bstén D.*    3 *sems D : de sems NP.*  
 4 *ro D : ro// NP.*    5 *blañs D : blañs pa NP.*    6 *bsdus pas NP : bsdu  
 bas D.*    7 *ma D : om. NP.*    8 *gtogs D : rtogs NP.*

(25)

ਗੁਰੂ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਕੁਮਾਰ. ਚਾ. ਗੁਰੂ. ਸਹੀ. ਕੁਮਾਰ. ਰਾਮ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਚਾ. ਮ. ਪਾਲਕ. ਗੁਰੂ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਉ. ਗੁਰੂ  
 ਪਾ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾ. ਗੁਰੂ. ਚਾ। ਜੂਹੀ. ਪ੍ਰਤੀਪ. ਦੁਨ. ਗੁਰੂ. ਸਹੀ. ਪਾਲਕ. ਹੈਂਦੁ. ਪਾਮੀ. ਕੁਣ.  
 ਚਾ. ਚ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾਹੀ. ਕੁਮਾਰ. ਰਾਮ. ਸਾ. ਸਾ. ਸਾ. ਕੁਮਾਰ. ਚਾ. ਦੁਨ. ਗੁਰੂ. ਮੰਦੀਰ. ਚਾ. ਕੁਮਾਰ. ਸੁਦ.  
 ਕੁਣ। ਦੁਨ. ਦੁਨ. ਦੁਨ. ਦੁਨ. ਦੁਨ. ਸਾਹਿਬ. ਮੰਦੀਰ. ਸੁਦ. ਗੁਰੂ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁਮਾਰ. ਸੁਦ. ਚਾ.  
 ਗੁਰੂ. ਚਾ॥ ਪ੍ਰੇਸ਼. ਚਾ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ. ਸਾਹਿਬ. ਕੁ. ਪਿਸਾ. ਠਨ. ਪਿਨ. ਚਾਹੀ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ॥ ਹੈਂਦੁ.  
 ਚ. ਚ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾ. ਕੁ. ਸਾਹਿਬ. ਚ. ਦੁਨ. ਕੁਮਾਰ. ਚਾ. ਪਿਸਾ. ਸੁ. ਹੈਂਦੁ. ਚ. ਦੁਨ। ਕੁਮਾ.  
 ਗੁਰੂ. ਚਾਹੀ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ॥ ਦੁ. ਮੰਦੀਰ. ਪਾਲਕ. ਚਾ. (D 1992) ਗੁਰੂ. ਸਹੀ. ਕੁਮਾ. ਰਾਮ. ਪ੍ਰੇਸ਼.  
 ਚਾ. ਕੁ. ਪ੍ਰ. ਪਾਰ॥ ਹੈਂਦੁ. ਸਾਹਿਬ. ਮੰਦੀਰ. ਚਾ. ਆ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਹੈਂਦੁ. ਪਿਸਾ. ਸੁ. ਮ. ਪ੍ਰੇਸ਼.  
 ਕੁ। (P 2442) ਧਨ. ਜੂਹੀ. ਪ੍ਰਤੀਪ. ਮੰਦੀਰ. ਸਹੀ. ਚਾ. ਦਸ. ਮ. ਮ. ਹੈਂਦੁ. ਨੂੰ॥ ਪ੍ਰੇਸ਼.  
 ਸਾਹਿਬ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾ. ਦੁ. ਹੈਂਦੁ. ਮੰਦੀਰ. ਚ. ਕੁਮਾਰ. ਚਾਹੀ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾਹੀ॥ ਚਾ. ਜੂਹੀ. ਕੁ.  
 ਪ੍ਰੇਸ਼. ਸੁ. ਪਿਨ. ਹੈਂਦੁ. ਸੁਹੀ. ਕੁ. ਜੂਹੀ. ਦੁਨ. ਸਹੀ. ਸਹੀ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ। ਹੈਂਦੁ. ਮੰਦੀਰ. ਚ. ਚ.  
 ਮ. ਪਾਲਕ. ਚਾ. ਜੂਹੀ. ਸੁ. ਮਨ. ਸੁ. ਮ. ਸਾਹਿਬ. ਮੰਦੀਰ. ਚਾਹੀ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ॥ ਧਨ. ਕੁ. ਸਹੀ. ਕੁ.  
 ਚ. ਚ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾ. ਸੁ. ਸਹੀ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁਮਾ. ਚਾ. ਪਾਲਕ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ। ਗੁਰੂ. ਸਹੀ. (N 2232) ਕੁਮਾ.  
 ਚਾਹੀ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਚ. ਹੈਂਦੁ. ਹੈਂਦੁ. ਮ. ਮੰਦੀਰ. ਮੰਦੀਰ. ਚ. ਮੰਦੀਰ. ਕੁ॥

ਗੁਰੂ. ਕੁਮਾਰ. ਸਾਮਯਾ. ਦੁਧਾਰ. ਕੁਮਾਰ. ਕੁ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਸੁ. ਪਾਮਯਾ. ਠਨ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਚ. ਚ.  
ਸਾਹਿਬ. ਚ. ਪਿਨ. ਕੁ. ਹੈਂਦੁ. ਸੁ. ਮ. ਹੈਂਦੁ. ਹੈਂਦੁ. ਸਾਮਯਾ. ਕੁ. ਮੰਦੀਰ. ਕੁਸ. ਚ. ਦੁ। ਹੈਂਦੁ. ਨੂੰ. ਸਾਹਿਬ.  
ਸ. ਦੁ। ਸਾਹਿਬ. ਚਾਹੀ. ਮਨਕੁ. ਹੈਂਦੁ. ਦੁ. ਲ੍ਲਕੁ. ਚਾਹੀ. ਹੈਂਦੁ। ਪਾਮਯਾ. ਠਨ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਚ. ਚ.  
ਸੁ. ਮਨ. ਸਾਹਿਬ. ਸੁ॥ ਸਾਹਿਬ. ਨੂੰ. ਕੁ. ਸਾਹਿਬ. ਕੁ। ਹੈਂਦੁ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾਹੀ. ਹੈਂਦੁ.  
ਕੁ॥ ਸਾਹਿਬ. ਨੂੰ. ਕੁ. ਸਾਹਿਬ. ਚਾ. ਦੁ। ਸਾਹਿਬ. ਕੁ। ਹੈਂਦੁ. ਹੈਂਦੁ. ਕੁ. ਸਾਮਯਾ. ਠਨ। ਨਮਨ:  
ਚ. ਮਨਕੁ. ਦੁ। ਸਾਹਿਬ. ਮ. ਪਿਨ. ਚ. ਦੁ। ਜੂਪੀ. ਚ. ਪਾਲ. ਚ. ਦੁ। ਜੂਪੀ. ਚ. ਮੰਦੀਰ. ਚ. ਦੁ।  
ਜੂਪੀ. ਚ. ਮੰਦੀਰ. ਚ. ਦੁ। ਗੁਸ. ਦੁ. ਗੁਸ. ਮ. ਪਿਨ. ਚ. ਮੀ. ਪ੍ਰੇਸ਼. ਚ. ਮ. ਪਾਮਯਾ. ਠਨ. ਚ. ਮ. ਪਿਨ.

謂，於聲聞，雖離爲說阿賴耶識，但由龜淺色等境界・苦集等性・無常等行，正觀察時，便能永斷一切煩惱。彼爲此義，依世尊所，勤修梵行。言龜淺者，謂，諸色法體相龜故，受等諸法所緣行相易可分別行相龜故。與此相違，如其所應，阿賴耶識說名深細。如說，我不說一法未達未遍知，等者，此密意說。不斷煩惱，以別相聲，說總相處。非諸煩惱有各別斷。或取共相無常等行，故不爲說阿賴耶識，亦無過失。

「若諸菩薩定於一切境智處轉」者，顯菩薩有種姓勢力，由與功能・慚願・處相具相應故。一切智性爲所期處。異此，不能作他義利。所以者何。非一切智，無有堪能隨順知他意樂隨眠界根勝劣有能無能時分差別具作一切他之義利。

---

1 *spon̄ ste* NP : *spans te* D.    2 *do//* NP : *do* D.    3 *par* NP : *pa* D.  
4 *pas* NP : *pa* D.    5 *bsñegs* NP : *sñegs* D.    6 *skal* D : *bskal* NP.

ପରେ ଶାକକୁ ଦେଖି ମଧ୍ୟ ଦଶ ଲୁହ ମି କୁଳ ପରେ ଛିର ନେଇ ଦେଖି ଦୁଃଖକୁ ଶାନ୍ତି ପରେ  
ଫୁଲ କୁଳ ସମ୍ମାନ ଦିଗର କୁଳଙ୍କ ମା ଗୁରୁ ଶାନ୍ତି କୁଳ ରଜା ପା ମାନ୍ଦିର ॥

ਦੁ. ਪ੍ਰਸ. ਅ. ਮੈਤੁ. ਪ੍ਰਾ. ਕੁ. ਯਮਾਸ. ਰਾਤੁ. ਮਾਤ੍ਰੇਤੁ. ਪ੍ਰਾ. ਹ. ਪ੍ਰਸ. ਬ੍ਰਾਸ. ਪ੍ਰਾ.

ଜ୍ଞାନମିଳିବୁ । କେତେ ମୁହଁବେ । ଗୁରୁମାତ୍ରି କୁମାରଙ୍ଗ ପେଶା ଯା ଫର୍ଦାରୀ ଶୁଣି ପାଇଁ  
ଫର୍ଦାରୀ ଦୁଇ କୁମାରଙ୍ଗ ପେଶା ଶୁଣି । କୁମାରଙ୍ଗ ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ କୁମାରଙ୍ଗ  
ଫର୍ଦାରୀ ଶୁଣି । କୁମାରଙ୍ଗ ପାଇଁ ଦୁଇ କୁମାରଙ୍ଗ ଫର୍ଦାରୀ ଶୁଣି । କୁମାରଙ୍ଗ ପାଇଁ  
ଫର୍ଦାରୀ ଶୁଣି । କୁମାରଙ୍ଗ ପାଇଁ ଦୁଇ କୁମାରଙ୍ଗ ଫର୍ଦାରୀ ଶୁଣି । କୁମାରଙ୍ଗ ପାଇଁ  
ଫର୍ଦାରୀ ଶୁଣି । କୁମାରଙ୍ଗ ପାଇଁ ଦୁଇ କୁମାରଙ୍ଗ ଫର୍ଦାରୀ ଶୁଣି ।

କୁମାରଙ୍ଗାନ୍ଧୀ ପାଠ୍ୟ ପାଠ୍ୟ

如是等事，菩薩所求，是故爲說阿賴耶識。

「若離此智」等者，若離阿賴耶識智，不能永斷於義遍計。彼不斷故，無分別智則不得有。執有遍計所執義故。由此因緣，「不易證得一切智智」。所以者何。〔不〕能證一切所知共相。

是分別智，知遍計義，自相分別，展轉不同，以無邊故，<sup>1).....</sup>決定無能具證一切。<sup>.....1)</sup>若知此唯阿賴耶識能生習氣轉變力故義・有情・我顯現而轉，爾時覺知無所取義，如是亦能知無能取，由此證得無分別智。次後得智，如所串習，通達法性。由一切法共相所顯真如一味，知一切法。於一剎那，亦易證得一切境(385c)智。非無邊故。然復說言，要經於三無數劫，者，此顯，積習廣大資糧，方能證得，廣大殊勝，一切種相，微妙果智。如是所說，妙智資糧，不離能證法無我境。故說頌言，

---

1).....1) The Tibetan of this passage is the same as the verse I-3ab of the *Madhyāntavibhāga* : *artha-sattvātma-vijñapti-pratibhāsam prajāyate* (ed. by Nagao, p. 18), while the Chinese omits the word for *vijñapti*.

1 *yoṅs su śes pa* D:om. NP. 2 *rtog* NP : *rtogs* D. 3 *brtag* D : *brtags* NP. 4 *la rtog* NP : *ma rtogs* D. 5 *rtogs* D : *rtog* NP. 6 *kun* DN : *gur* P. 7 *gzuṇ* D : *bzuṇ* NP. 8 *hthob bo* DN : *hthobo* P.



非於一切所知境  
而能證得一切智  
不斷所執法分別  
是故宣說法無我

不善通達如是理教，故有頌言，  
由彼相續有堪能  
當知如火食一切  
如是應許一切智  
能作一切知一切

是故，於此阿賴耶識，知·不知者，易證·難證一切智智。定依此宗，作如是說。非，知一切法無我者，名一切智。彼雖一切智非一切種智。

## 攝大乘論釋卷第二

## 所知依分第二之二 (386 a)

11 「聲聞乘中亦以異門密意已說阿賴耶識」者，此舉餘部共所成立，顯阿賴耶識，如大王路故。

先總序「如彼增壹阿笈摩說」者，是說一切有部中說。「如來出現四德經中由此異門密意，已顯阿賴耶識」者，謂，此經中宣說，如來出現於世，有四種可稱讚德。<sup>1).....</sup>「愛阿賴耶」者，此句總說貪著阿賴耶識。「樂阿賴耶」者，樂現在世阿賴耶識。「欣阿賴耶」者，欣過去世已生阿賴耶識。「喜阿賴耶」者，喜未來世當生阿賴耶識。此性於彼極希願故。由樂欣喜，是故總名愛阿賴耶。

1).....1) According to the original order, this sentence is to be placed at the end of this paragraph.

1 *brtags* D : *brtag* NP.    2 //*seho* D : *ceho* NP.    3 *nus* D : *mi nus* NP.  
 4 *pahi* D : *pa yi* NP.    5 //*ses* DN : *ses* P.    6 *ses pa dañ* DNP, *ses pa*  
*ses pa dañ?*    7 *ses* D : *ses//NP.*    8 *bor* P : *bo* DN.    9 *gtod* NP : *btod*  
 D.    10 *tu* NP : *du* D.    11 *na/* NP : *na* D.

(28)

ପୁଣ୍ୟ ॥ ୩୫. ଶତ୍ରୀ. ଜ୍ୱାତଃ. ଯରେ. ଶୁଦ୍ଧ. ଗୈସ. ହୁ. ମ. କୁ. ପେଶୁ. ଆହ. ଗର୍ବମ. ଚାନ୍ଦି. ଶିଳା.  
 ୪ ॥ ୩୬. ଅର୍ଦ୍ଧନ୍ଦା. କେଷ. ହୁ. ମ. କୁ. ଶୁଦ୍ଧ. ଚାନ୍ଦି ॥ ୩୭. ମ. ଅର୍ଦ୍ଧନ୍ଦା. କେଷ. ହୁ. ମ. କୁ. ଶିଳା.  
 ପାତମ. ପାତମ. ବୁଦ୍ଧ. ହୋତି. ଆ. ପାତମ. ପାତମ. ହୁ. ମ. କୁ. ଚାନ୍ଦି ॥ ୩୮. ଅର୍ଦ୍ଧନ୍ଦା. ଚାନ୍ଦି. ପାତମ.  
ପାତମ. ପାତମ. ଚାନ୍ଦି. ପାତମ. ହୁ. ମ. କୁ. ପାତମ. ଆ. ପାତମ. ପାତମ. ହୁ. ମ. କୁ.  
 ପାତମ. ଚାନ୍ଦି. ପାତମ. ୧ ॥ ୩୯. କେଷ. ଲୁ. ଶୁଦ୍ଧ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. କେଷ. ଶିଳା. କେଷ. ହୁ.  
 ମ. କୁ. ମଧ୍ୟ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି ॥ ୪୦. ପାତମ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ଚାନ୍ଦି ॥ ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ.  
 ଚାନ୍ଦି. ମଧ୍ୟ ୨ ॥ ୪୧. କେଷ. ଲୁ. ଶୁଦ୍ଧ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. କେଷ. ୫. କୁ. କୁ. କୁ. ହୁ. ମଧ୍ୟ.  
 ହୁ. ୨ ॥ ୪୨. ଶିଳା. ଚାନ୍ଦି. ପାତମ. ପାତମ. ଚାନ୍ଦି. ହୁ. ମଧ୍ୟ । (P 245 b) ଚାନ୍ଦି. ଶିଳା.  
 ୫ ॥

ଶିଳା. ପାତମ. ଆ. ପାତମ. କେଷ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଆ. ପାତମ.  
କେ. ଅର୍ଦ୍ଧନ୍ଦା. ଚାନ୍ଦି. ମ. ହୁ. ୩ ॥ କୋ. ପାତମ. କୁମ. ଚାନ୍ଦି. ହୁ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ହୁ. ମଧ୍ୟ.  
 ଶିଳା. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ହୁ. କୁ. ମଧ୍ୟ. କୁ. ମଧ୍ୟ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ଚାନ୍ଦି.  
 କୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ୫ ॥

ଶିଳା. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ.  
 କୁମ. ଚାନ୍ଦି. ପାତମ. ହୁ. ୬ ॥ ପାତମ. ହୁ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ.  
 ଚାନ୍ଦି ॥ ୭ ॥ କୋ. ପାତମ. ଚାନ୍ଦି. ହୁ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. କୁମ. ହୁ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ.  
 ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ୮ ॥ ୯ ॥ ହୁ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି.  
 ଶିଳା. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ୯ ॥ ୧୦ ॥  
 କୁମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ୧୧ ॥ (N 224 b)  
 ୧୧ ॥ ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ପାତମ. ହୁ. ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ୧୨ ॥ ପାତମ. ହୁ.  
 ମଧ୍ୟ. ଚାନ୍ଦି. ୧୩ ॥

「爲斷如是阿賴耶故」者，爲永害彼。「說正法時」者，說正教法。「恭敬」者，樂欲聞故。「攝耳」者，立願聽故。此則說其聞所成智。「住求解心」者，如所聞義求決定故。此則說其思所成智。「法隨法行」者，所證名法，道名隨法，隨順彼故。又出世道名法，世間道名隨法。「行」者，行彼，自心相續，樹增彼故，令彼現前，得自在故。此則說其修所成智。

「於大衆部阿笈摩」等者，重成此識，於彼部中，如大王路。「根本識」者，餘識因故。譬如樹根是莖等因。

「化地部」等者。於彼部中有三種蘊。一者一念頃蘊，謂一剎那有生滅法。二者一期生蘊，謂乃至死恒隨轉法。三者窮生死蘊，謂乃至得金剛喻定恒隨轉法。此若除彼阿賴耶識，餘不應有，但異名說阿賴耶識。如名諸蘊，決定無有窮生死故。彼問云何。此答，「有處有時見」等。有處於界。有時於分。

---

1 *bsam* NP : *bsams* D.    2 *bstan* D : *brtan* NP.    3 *gtod* NP : *btod* D.  
4 *rjes su* D : om. NP.

(29)

ମଧ୍ୟକୁଣ୍ଡ ॥ ଦେଖିଲାମିଶ୍ରମୀତିଥିରୁ ଶକ୍ତିଶ୍ରମୀକର୍ତ୍ତରୁ ॥ ପଦ୍ମନାଭମୀତିଥି  
 ମଧ୍ୟକୁଣ୍ଡ ॥ ଦେଖିଲାମିଶ୍ରମୀତିଥିରୁ ଶକ୍ତିଶ୍ରମୀକର୍ତ୍ତରୁ ॥ ପଦ୍ମନାଭମୀତିଥି  
 ମଧ୍ୟକୁଣ୍ଡ ॥ ଦେଖିଲାମିଶ୍ରମୀତିଥିରୁ ଶକ୍ତିଶ୍ରମୀକର୍ତ୍ତରୁ ॥ ପଦ୍ମନାଭମୀତିଥି  
 ମଧ୍ୟକୁଣ୍ଡ ॥ ଦେଖିଲାମିଶ୍ରମୀତିଥିରୁ ଶକ୍ତିଶ୍ରମୀକର୍ତ୍ତରୁ ॥ ପଦ୍ମନାଭମୀତିଥି

13 ପାଠୀ ରଦ୍ଦି କୁମାର କେଶ୍‌ବୁନ୍ଦୀ ମହି ଯାତ୍ରା କୁମାର ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ ମହାଶ୍ଵର  
ଦୂର ଫିରି ଦୂର କୁମାର ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ ମହାଶ୍ଵର ଦୂର ପାଠୀ କେଶ୍‌ବୁନ୍ଦୀ ମହି ଯାତ୍ରା କୁମାର ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ ମହାଶ୍ଵର

ରୀତିମୁହଁ ॥ ଦ୍ୱାରାମିରାଯନାରେ କୈବିଷୁମାର୍ଗେ ରାଜା ଏବଂ ପିତୃକୁ କୈବିଷୁମାର୍ଗେ

ପ୍ରକାଶନୀ ୬ ପିତା ଦୁଇ କୁମାରଙ୍ଗାନ୍ଧି ଏବଂ ଶର୍ମୀଙ୍କାନ୍ଧି ଦ୍ୱାରା ପାଦମଣିକାନ୍ଧି ଏବଂ ପାଦମଣିକାନ୍ଧି

ମନ୍ଦିରଗୁଡ଼ିକ ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ କୁଣ୍ଡଳ ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ

ପିନ୍ଧା ରୁ ॥ ପୂର୍ବା ମୁଦ୍ରା କୁମା ବା ହଣ୍ଡା ରୁ କୁମା ଗାନ୍ଧା ଫେରୁ କୁମା ରୁଷା ରୁଷା ରୁଷା

於無色界，諸色間斷。於無想天及二定分，諸心間斷。(386 b)非謂，於阿賴耶識中，色心種子乃至對治道未生來，有時間斷。不應計度，隨所應有，正義有故。計度傍義，違越正義，不應道理。

「等」謂，聖者上座部中，以有分聲，亦說此識。阿賴耶是有因故。<sup>1).....</sup>如是等，分別說部亦說此識，名有分識。<sup>.....1)</sup>如說，六識不死不生，或由有分或由反緣而死，由異熟意識界而生。如是等能引發者，唯是意識故，作是言。五識於法無所了知，唯所引發。意界亦爾，唯等尋求。見唯照囑。等貫徹者得決定智。安立是能起語分別。六識唯能隨起威儀，不能受善不善業道，不能入定，不能出定。勢用一切皆能起作。由能引發從睡而覺。由勢用故觀所夢事。

12 由如是等諸部聖教爲定量故，「阿賴耶識如大王路。」 (368 c)

13 「復有一類謂心意識義一文異」者，此顯邪執。謂，如所說心意識名皆同一義。「是義不成」者，是非理義。「意識兩義差別可得」者，兩聲兩義，能詮所詮，自相異故。謂，六識身無間過去說名爲意，了別境界說名爲識。

---

1).....1) According to the original order, this sentence is to be placed at the end of this paragraph.

---

1 *nas* NP : *nas* /D. 2 *gañ sig* D : *gañ sig su dag* P. 3 *lan* D : *la ni* NP. 4 *blta* D : *lta* NP. 5 *gtod* NP : *btod* D. 6 *go/* NP : *go//* D. 7 *ro* NP : *ro //D.* 8 *dañ don gñis* D : om. NP. 9 *ni* NP : *ni /D.* 10 *yid* D : *yod* NP.

(30)

ཡිදු.දා.කුම.යි.පෙ.ස.ය.ජූ.ස.ද්.ක.ස.ද.ද.ද. || දී.පැ.වැ.ක.දු.සේ.ස.ලු.ද්.ක.තු.ස.  
ළු.ස.ද.ද.දු.ද්.ක.ෂ.ෝ.ව.ශ. ||

වද.ව.ඩී.ඩී.කු.සු.ම.දී.ළු.ව.ජූ.ය.ශ.ද. (N 225 a) දිගැ

ද.ය.ස්.ස.ය.ද්.ක.ජූ.ක.දු.ද්.ක.ය.ද. || දී.සු.ස.ය. | දී.ම.ද.ය.ශ.ව.ඩී.සු.ස.ය.

ය.දා.දී.ළු.ව.ජූ.සු.කු.සු.ව.ශ. || දී.දා.ය.සදා.ඉද.දු.සේ.ව.සු.ව.ශ. ||

සෑ.සෑ.ක්.මා.ය.ය.ද. ම.ළු.ව.ජූ.ර. කු.සු.ම.දී.දා.ය.ය.සදා.ඉද.දු.සේ.ව.සු.ව.ශ. ||

ඩ.ඩ.ඩ.ඩ. ||<sup>3</sup> මද.ය.ස.ක්.ස. ම.සදා.ක්.ස.දා.ය.ස.ය.දී.ළු.ව.ජූ.ර. කු.සු.ව.ශ. ||

දී.දා.දී.ළු.ව.ජූ.ජූ.දා.ය.ස.ක්.ස.දා.ය.ස.ය.දී.ළු.ව.ජූ.ජූ.දා.ය.ස. || උදා.ක්.ස. කු.ස.ය.ද. ඇ.ශ. ම.රි.සු.ද. || වද.ව.ඩ.සු.සු.ය.ශ. || ක්.ස.ය.ද.දා.දී.ජූ.ස. සැ.රි.සු.ද. ||

දී.දා.දී.ළු.ව.ජූ.ජූ.දා.ය.ස.ය.දී.ළු.ව.ජූ.ජූ.දා.ය.ස. || ඩ.ද.ද. ||

ක. | මද.දා.ද්.ක්.ස. ය.ස. දී.සු.දු. (P 246 b) සේ.ස.ස. සැ.ස.ු.ම.ක්.ස.ය. ||

ක්. | තු.ව. ප.ය. ම.ස්.ක. ය. (D 2012) දා. | තු.ව. ප.ය. ම.ස්.ක. තු.ව. ය.සු.ව.ශ. ||

වද.ව. මි.දා.ක්.ස. ය.සු.ද. ම.ද. ය.ද. | ප.ය. මි.දා. ආ. ම.ස්.ක. තු.ව. ය.සු.ව.ශ. ||

ක්. | තු.ව. ම.ස්.ක. තු.ව. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. තු.ව. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

ක්. | ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. || ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

ක්. | ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. || ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

ක්. | ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. || ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

ක්. | ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. || ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

ක්. | ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. || ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

ක්. | ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. || ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

ක්. | ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. || ප.ය. ම.ස්.ක. ය.ද. ම.ස්.ක. ය.ද. ||

如意・識名義有差別，如是心義亦應有異。

「復有一類謂薄伽梵所說」等者，此顯，餘師，於愛阿賴耶等，起異義執。言「五取蘊名阿賴耶」者，謂，諸衆生攝爲我故。言「貪俱樂受名阿賴耶」者，謂，貪受俱行，總名阿賴耶。比受是貪所增隨眠故。或復各別名阿賴耶。著處異故。言「薩迦耶名阿賴耶」者，由此取彼，爲我性故。

「此等諸師由教及證愚阿賴耶識故作此執」者，謂，彼諸師，有惡教故，有惡證故，愚阿賴耶識。或彼諸師，無親教故，無自解故，愚阿賴耶識。「隨聲聞乘安立道理亦不相應」者，隨彼自宗亦不應理。如勝論等所立實等，彼非爲勝，有過失故。「如是安立則爲最勝」者，無過失故，有勝德故。爲欲 (387 a) 顯彼計執過失故。復問言，「云何最勝」。

「若」立「五取蘊名阿賴耶生惡趣中一向苦處」者，

1 *rtoġ pa ste* NP : *rtoġs te* D.    2 *kun ḡsi* NP : *kun ḡsi šes byaḥo* D.  
 3.....3 This passage is to be placed before the following passage ‘*yañ na so so.....*’.    4 *bcas pa ni kun ḡsiḥo šes bya ba ni/ ḥdod chags dañ* D : om. NP.    5 *rtoġs* D : *rtoġ* NP.    6 *ñes* NP : *ñe* D.    7 *par* NP : *pa* D.  
 8 *rnam par* D : om. NP.    9 *na* DN : *ni* P.    10 *kyiṣ* D : *kyi* NP.  
 11 *kyi* DNP : *kyiṣ* MS.



生捺落迦·傍生·餓鬼名生「惡趣」，唯有苦故，似苦現故，名「一向苦處」。由彼會無有少樂故，「最可厭逆」。於一切時有多苦故，「衆生一向不起愛樂」。非不愛義而有執藏。與執藏義不相應故，「於中執藏不應道理」。「以彼常求速捨離」者，是於苦蘊恒傷歎義。云何當令我無苦蘊。非求速離而復執藏應正道理。以相違故。

「第四靜慮」，及上無色，「貪俱樂受」，恒無所有，「常有厭逆」，是厭因故，可惡逆故。言「具彼」者，第四靜慮已上有情具彼種類。是故，彼處「於中執藏亦不應理」。以無有故。

「於此正法中信解無我者」，常極厭逆薩迦耶見，是應斷故。見無我者，彼無有故，但取信解，恒求斷故，「於中執藏亦不應理」。

如是已顯他執過失，復當顯示自宗勝德。「阿賴耶識內我性攝」者，衆生妄執爲內我體。

---

1 *yin* NP : *ma yin* D.    2 *bar* NP : *ba ñid du* D.    3 *do* D : *do// NP.*  
 4 *go/* NP : *go //D.*    5 *rnam*s NP : *rnam*s //D.    6 *tshogs* D : *rten* NP.  
 7 *te* D : *te/ NP.*    8 *pa* D : om. NP.



「雖然」兩聲，爲重遮止他說妄計。

捺落迦等名「生惡趣一向苦處」。雖於苦蘊常求遠離，「然彼恒於阿賴耶識我愛」縉索「隨縛」不離會不於中起無有愛。由捨受相應，非可厭逆故。所以者何。彼雖希願云何當令我諸苦蘊都無所有，然於自我未嘗求離我見。對治未有故。異趣更無故，若於諸蘊，有所願樂，此則是其阿賴耶力。非，於意識有此我愛，應正道理。以惡趣中與彼苦受恒相應故。由此道理，於餘趣中，於彼希願亦不相應。

「雖生第四靜慮已上於貪俱樂恒有厭逆」，然內我愛隨縛不離。如是我愛，依他而轉，依阿賴耶，非於(387b)意識。以阿賴耶乃至對治道未生來無變易轉。意識不爾。於無想定·無想·滅定，有間斷故。非有意識而無有受俱成有故。

---

1 *sags D : sabs NP.*

(33)

ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଏହାକିମଙ୍କ ପାଇଁ ଯାତ୍ରା କରିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି ।

ଦ୍ୱାରା ମଧ୍ୟ କାହିଁ ପାଇଲା ଏହି ଅନୁଭବ ମଧ୍ୟରେ ଯାଇଲା ମଧ୍ୟରେ ଏହି ଅନୁଭବ ମଧ୍ୟରେ

၅။ (D 2022) የትኩረት ማኅበር በትኩረት ማኅበር ነው እንደሆነ የትኩረት ማኅበር በትኩረት ማኅበር ነው

ସୁଧ୍ୟତାମାତ୍ରକିଣି କୁଶଲାପିନ୍ଦୀ ଏହାବ୍ୟକ୍ଷିତି । ଶର୍ମିଷ୍ଠାନ୍ତିକୁ ଯାହାରେ

ବାଁ କୁଳି ପଦି ପାଇଁ ହୁଏ ହେ ॥ କଣ୍ଠରେ ବାହି ଲୁହା ମୁହୀ ଦୁଃଖ ହୁଏ ପାଇଁ ପାଇଁ ହୁଏ ମେ ପଦି ହେ ॥

ରହି ପୁଣ୍ୟ ଦେଖି ଦୂର ମା ଏହି ପୁଣ୍ୟକାଳୀନ ପରିବାର ପରିବାର ॥

ପ୍ରଦୀପ ମାତ୍ରାନ୍ତିକ ଶବ୍ଦରେ ଏହାର ଅଧିକାରୀ ହୁଏଥିଲୁଛାଣ୍ଟିରୁ ଏହାର ଅଧିକାରୀ ହୁଏଥିଲୁଛାଣ୍ଟିରୁ

ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଏହାକିମଙ୍କ ପରିଚୟ ଦିଲ୍ଲିଯିରୁ ଆମିରିତରେ ପରିଚୟ ଦିଲ୍ଲିଯିରୁ ଆମିରିତରେ

ମାତ୍ରାକୁ ଲେଖିବା ପାଇଁ ଏହାରେ ଯାଇବା ପାଇଁ ଏହାରେ ଯାଇବା

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣାମନ୍ଦିର ପାତାଳାମନ୍ଦିର ପାତାଳାମନ୍ଦିର

ବୀର୍ଯ୍ୟକୁ ଦୂର୍ଲଭ ଜ୍ଞାନ ଏବଂ ପ୍ରସାଦ ଏବଂ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଧର୍ମକୁ ପାଇବାରେ ଯାହାରେ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧିଙ୍କ ପାଇବାରେ ଯାହାରେ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧିଙ୍କ

ଦେଖିଲୁ ମୁଁ କୁ ଗୁରୁ ଶବ୍ଦ କୁମାର ପାତା ପାତା ପାତା

ଯତ୍କମ୍ବା. ଯତ୍କମ୍ବା. ଶର୍ମା<sup>4</sup> (P 2482) ଯା ଶୁଦ୍ଧିକାରୀ ହୁଏ ଯା କିମ୍ବା ଯା ଆମ କରୁଣା

ਮਣਪ. ਜ੍ਵਲ. ਘਰੁ ॥ ਕੈਸ. ਯੋਧਸ. ਯੋਦ. ਰਾਖਸ. ਫੁ. ਪ. ਹੁ. ਟੁਸ. ਵਾ. ਮੇਡ. ਵਾ. ਦੁਦ. ਘੁਗੁ. ਚੁ.

ସମ୍ପଦ କାନ୍ତି ମହାପାତ୍ର ପାତ୍ର ॥

「於此正法中信解無我者」，雖恒厭逆分別我見，然有俱生我見隨縛。此於何處。謂，彼但於阿賴耶識。率爾聞聲，便執內我，驚畏生故。何緣，不許，卽於諸蘊而有我愛。以，若於彼有我愛者，此則是其阿賴耶識。由，可分別所緣行相四無色蘊，於無想天二無心定，不相續故。若爾，阿羅漢，雖厭逆身見，亦應得有。如是我愛斷故無有。以阿羅漢一切我見皆已永斷故，無此失。是故說言，阿羅漢，已轉於阿賴耶識，更無此我愛。

「是故安立阿賴耶識名阿賴耶識」，決定成就。無諸過失，有諸勝德，是故說言，「成就最勝」。

---

1 *na* NP : *nas* D.    2 *pa* NP : om. D.    3 *na* D : om. NP.    4 *gsag*  
NP : *bṣag* D.    5 *ches* N : *chos* DP.